



SWAMI DHARMABANDHU COLLEGE OF EDUCATION

(B.Ed. & D.El.Ed.)

(Recognised by: ERC-NCTE & Affiliated to Vinoba Bhave University, Hazaribag and JAC, Ranchi)
Harhad, Mukundganj, PO-Banha Nawada, Dist – Hazaribag, (Jharkhand) 825301

Email: sdbce.hzb@gmail.com Website: www.sdbce.co.in

Contact No.: 9471176767 / 9102029216 / 9470933518 / 06546-291700

Report on World Nature Conservation Day

28.07.2023

World Nature conservation Day was celebrated on (Friday) 28.07.2023 at Swami Dharmabandhu College of Education, Harhad, Mukundganj, Hazaribag, Eco club committee and NSS Team members or as well as all students, Asst. Professor and staff were participated. College Director Md. Nazir Ansari and Principal Dr. Sarika Kumari encourage students for love for nature and plant more and more trees. They says that it's our duty to protect forest and plant. College Asst. Professors, staffs and trainees of B.Ed. session 2022-24 were present on this occasion.

Objectives of world nature conservation day.

- It is the duty of every human being to save its existence.
- To live a healthy and happy life, plantation and its protection is necessary.
- We should also save the minerals contained in the womb of the earth.
- Enhance Environmental sustainability.

Conclusion :

World Nature Conservation Day emphasizes the collective responsibility to protect the environment. Governments, organizations, and individuals must work together to ensure sustainable development and ecological balance. Small changes in daily life can make a significant impact in conserving nature for future generations.

29/07/2023

✓

स्वामी धर्मबन्धु कॉलेज ऑफ एजुकेशन हजारीबाग ने विश्व प्रकृति संरक्षण मनाया

हजारीबाग - स्वामी धर्मबन्धु कॉलेज ऑफ एजुकेशन, हरहद, मुकुंदगंज हजारीबाग में विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस मनाया गया। जिसमें कॉलेज के सचिव मोहम्मद नजीर अंसारी ने कहा कि वन्य जीवन प्राकृतिक संसाधनों पेड़ पौधों महासागरों और पहाड़ों के अलावा समृद्ध खनिज और अनेकों सुविधा हमें प्रकृति से मिलती है, ताकि हम एक स्वस्थ और खुशहाल जीवन जी सकें। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्या डॉ० सारिका कुमारी ने कहा कि हम प्रकृति को मां कहते हैं, क्योंकि हम यह मानते हैं कि इसी ने हमें जन्म दिया, हमारा भरण-पोषण भी यहीं करती है, लेकिन धीरे-धीरे हम हमारी मां की तरह प्रकृति को भी हल्के में ले रहे हैं, जो हम लोगों को नहीं लेना है।

Fig. Press release Dainik Bhaskar 29.07.2023

HAZARIBAGH

World Nature Conservation Day celebrated at Swami Dharmabandhu College of Education Harhad

DN ■ Katkamasandi

World Nature Conservation Day was celebrated on Friday at Swami Dharmabandhu College of Education, Harhad, Mukundganj Hazaribagh. On the occasion, College Secretary Mohammad Nazir Ansari said that human life is dependent on natural resources. By connecting with nature, we can envisage a healthy life. Further said that apart from trees, plants, oceans, forests, mountains, the rich mineral wealth contained in the womb of the earth is the heritage of nature itself. It is the duty of every human being to save its existence. We get from nature. To live



a healthy and happy life, plantation and its protection is necessary. On this occasion, Principal of the college Dr. Sarika Kumari said that every person should have love for nature. We can survive only by protecting nature. Trees and plants are the decoration of mother earth. IQAC chief Dr. Munshi

Lal Yadav said that the relationship between man and nature has been very close since ancient times. Man gets all his needs from nature. That's why it is the duty of all of us to preserve the forests. College professors, non-teaching staff and all trainees of BEd session 2022-24 were present on the occasion.

Sarika
29/07/2023
Principal

Swami Dharmabandhu College of Education
Harhad, Mukundganj, Hazaribagh

Fig: Press release Indian Express
29.07.2023

स्वामी धर्मबन्धु कॉलेज ऑफ एजुकेशन में मनाया गया विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। स्वामी धर्मबन्धु कॉलेज ऑफ एजुकेशन, हरहद, मुकुंदगंज हजारीबाग में विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस मनाया गया। इस अवसर पर कॉलेज के सचिव मोहम्मद नजीर अंसारी ने कहा कि वन्य जीवन प्राकृतिक संसाधनों पेड़ पौधों महासागरों और पहाड़ों के अलावा समृद्ध खनिज और अनेकों सुविधा हमें प्रकृति से मिलती है, ताकि हम एक स्वस्थ और खुशहाल जीवन जी सकें। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्या डॉ० सारिका कुमारी ने कहा कि हम प्रकृति को मां कहते हैं, क्योंकि हम यह मानते हैं कि इसी ने हमें जन्म दिया, हमारा भरण-पोषण भी यहीं करती है, लेकिन धीरे-धीरे हम हमारी मां की तरह प्रकृति को भी हल्के में ले रहे हैं, जो हम लोगों को नहीं लेना है।

मिलती है, ताकि हम एक स्वस्थ और खुशहाल जीवन जी सकें। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्या डॉ० सारिका कुमारी ने कहा कि हम प्रकृति को मां कहते हैं, क्योंकि हम यह मानते हैं कि इसी ने हमें जन्म दिया, हमारा भरण-पोषण भी यहीं करती है, लेकिन धीरे-धीरे हम हमारी मां की तरह प्रकृति को भी हल्के में ले रहे हैं, जो हम लोगों को नहीं लेना है।



यदव ने कहा कि वन्य जीवन प्राकृतिक संसाधनों पेड़ पौधों महासागरों और पहाड़ों के अलावा समृद्ध खनिज और अनेकों सुविधा हमें प्रकृति से मिलती है, ताकि हम एक स्वस्थ और खुशहाल जीवन जी सकें। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्या डॉ० सारिका कुमारी ने कहा कि हम प्रकृति को मां कहते हैं, क्योंकि हम यह मानते हैं कि इसी ने हमें जन्म दिया, हमारा भरण-पोषण भी यहीं करती है, लेकिन धीरे-धीरे हम हमारी मां की तरह प्रकृति को भी हल्के में ले रहे हैं, जो हम लोगों को नहीं लेना है।

Fig: Press release
Aadiwashi' Express
29.07.2023